



राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, सोमवार, 22 दिसम्बर, 2003/1 पौष, 1925

हिमाचल प्रदेश विधान सभा सचिवालय

अधिसूचना

शिमला-4, 22 दिसम्बर, 2003

* संख्या वि० स०-गवर्नमेंट बिल/1-114/2003.—हिमाचल प्रदेश विधान सभा की प्रक्रिया एवं कार्य संचालन नियमावली, 1973 के नियम 140 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय-कर (द्वितीय संशोधन)

विधेयक, 2003 (2003 का विधेयक संख्यांक 23) जो आज दिनांक 22 दिसम्बर, 2003 को हिमाचल प्रदेश विधान सभा में पुरःस्थापित हो चुका है, सर्वसाधारण की सूचनार्थ राजपत्र में मुद्रित करने हेतु प्रेषित किया जाता है ।

जे० आर० गाजटा,
सचिव ।

2003 का विधेयक संख्यांक 23.

हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2003

(विधान सभा में पुरःस्थापित रूप में)

हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1968 (1968 का 24) का और संशोधन करने के लिए विधेयक ।

भारत गणराज्य के चौवनवें वर्ष में हिमाचल प्रदेश विधान सभा द्वारा निम्नलिखित रूप में यह अधिनियमित हो :—

1. (1) इस अधिनियम का संक्षिप्त नाम हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर (द्वितीय संशोधन) अधिनियम, 2003 है । संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ ।

(2) यह 23 अगस्त, 2003 से प्रवृत्त हुआ समझा जाएगा ।

2. हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1968 (जिसे इसमें इसके पश्चात् "मूल अधिनियम" निर्दिष्ट किया गया है) की धारा 6 की उप-धारा (1) के प्रथम परन्तुक के भाग (ख) में "पोलीथीन बैग", शब्दों के पश्चात् परन्तु "और इमारती लकड़ी" शब्दों से पूर्व "विमानन टर्बाइन ईंधन सहित मोटर स्पिरिट" चिन्ह और शब्द अन्तःस्थापित किए जाएंगे । धारा 6 का संशोधन ।

3. मूल अधिनियम की विद्यमान धारा 42-ख, उप-धारा (1) के रूप में पुनः संख्यांकित की जाएगी और इस प्रकार पुनःसंख्यांकित उप-धारा (1) के पश्चात् निम्नलिखित नई उप-धारा (2) जोड़ी जाएगी, अर्थात् :— धारा 42-ख का संशोधन ।

"(2) उप-धारा (1) में विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन रहते हुए, राज्य सरकार किसी उद्यमी को, उसके द्वारा हिमाचल प्रदेश में किसी भी प्रकार के माल के, उसमें या अन्तर्राज्यिक व्यापार या वाणिज्य के अनुक्रम में उसकी बिक्री के लिए, विनिर्माण में उपभोग के लिए पेट्रोल, हल्के डीजल आयल सहित डीजल आयल और फरनेस आयल के विक्रय पर कर की रियायती दर, अधिसूचना द्वारा नियत कर सकेगी ।"

4. मूल अधिनियम से संलग्न अनुसूची 'क' में मद् संख्या 71 के पश्चात् नई मद् संख्या 72 जोड़ी जाएगी, अर्थात् :— अनुसूची 'क' का संशोधन ।

"72. स्नेहक (लयूब्रीकेन्ट्स) ।"

5. (1) हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2003 का एतद्द्वारा निरसन किया जाता है । 2003 के अध्यादेश संख्यांक 8

(2) ऐसे निरसन के होते हुए भी, इस प्रकार निरसित अध्यादेश के अधीन की गई कोई बात या कार्रवाई, इस अधिनियम के तत्स्थानी उपबन्धों के अधीन की गई समझी जाएगी । का निरसन और व्यावृत्तियां

उद्देश्यों और कारणों का कथन

मोटर स्प्रिट, जिसमें विमानन टर्बाइन ईंधन भी सम्मिलित है, पर विक्रय कर की दर को बीस प्रतिशत से बढ़ाकर पच्चीस प्रतिशत करने तथा स्नेहकों (ल्यूब्रीकेन्ट्स) पर कर की विद्यमान दर को उपयुक्त रूप से बढ़ाने का विनिश्चय किया गया। पेट्रोल, डीजल जिसमें विक्रय हेतु माल के विनिर्माण में उद्योग द्वारा उपभोग्यों (कन्स्यूमेबलज) के रूप में प्रयुक्त हल्का डीजल आयल और भट्ठी (फरनेस) आयल भी सम्मिलित है, पर कर की उपयुक्त रियायती दर का उपबन्ध करने का भी विनिश्चय किया गया ताकि उद्यमियों को अन्य राज्यों से माल का क्रय करने की बजाय राज्य के भीतर ही ऐसे माल का क्रय करने तथा इस राज्य को विक्रय कर संदत्त करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। तथापि, हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1968 की धारा 6 के विद्यमान उपबन्धों के अधीन सरकार, मोटर स्प्रिट जिसमें विमानन टर्बाइन आयल भी सम्मिलित है, पर केवल बीस प्रतिशत तक विक्रय कर अधिसूचित करने में सक्षम है जबकि स्नेहकों (ल्यूब्रीकेन्ट्स) की दशा में सरकार दस प्रतिशत तक ही कर की दर अधिसूचित करने में सक्षम है। अधिनियम में ऐसा कोई उपबन्ध नहीं था जो सरकार को, उपयुक्त उपभोग्यों (कन्स्यूमेबलज) के लिए रियायती दरों को अधिसूचित करने हेतु समर्थ बनाए। इसलिए उक्त अधिनियम की धारा 6, 42-ख के उपबन्धों तथा इससे संलग्न अनुसूची 'क' को उपयुक्त रूप में तुरन्त संशोधित करने का विनिश्चय किया गया है।

2. क्योंकि हिमाचल प्रदेश विधान सभा सत्र में नहीं थी और हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर अधिनियम, 1968 में तुरन्त संशोधन करना अनिवार्य हो गया था, इसलिए हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल द्वारा, भागूत के संविधान के अनुच्छेद 213 के खण्ड (1) के अधीन प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर (द्वितीय संशोधन) अध्यादेश, 2003 (2003 का 8) 20 अगस्त, 2003 को प्रख्यापित किया गया था और जिसे 23 अगस्त, 2003 के राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण) में प्रकाशित किया गया था। अब उक्त अध्यादेश को नियमित अधिनियमिति द्वारा प्रतिस्थापित किया जाना अपेक्षित है।

3. यह विधेयक उक्त अध्यादेश को, बिना किसी उपान्तरण के, प्रतिस्थापित करने के लिए है।

रंगीला राम राव,
प्रभारी मन्त्री।

शिमला :

तारीख..... दिसम्बर, 2003.

वित्तीय ज्ञापन

विधेयक के उपबन्ध अधिनियमित किए जाने पर, राजकोष को, लगभग 9 करोड़ रुपये की अतिरिक्त वार्षिक आय होगी। क्योंकि विधेयक के उपबन्ध अधिनियमित होने के पश्चात्, विद्यमान सरकारी तन्त्र द्वारा प्रवर्तित किए जाने हैं इसलिए कोई अतिरिक्त व्यय अंतर्वलित नहीं होगा।

प्रत्यायोजित विधान सम्बन्धी ज्ञापन

विधेयक का खण्ड 2 सरकार को विमानन टर्बाइन ईंधन सहित मोटर स्पिरिट पर तीस प्रतिशत तक कर की दर अधिसूचित करने के लिए समर्थ बनाता है। खण्ड 3 सरकार को, उद्यमी को पेट्रोल, हल्के डीजल आयल सहित डीजल आयल और फर्नेस आयल के विक्रय पर, कर की रियायती दर अधिसूचित करने के लिए सशक्त करता है। खण्ड 4 सरकार को स्नेहकों (ल्यूब्रीकेंट्स) पर बीस प्रतिशत तक कर की दर अधिसूचित करने के लिए समर्थ बनाता है। शक्तियों का यह प्रत्यायोजन अनिवार्य और सामान्य प्रकृति का है।

भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन राज्यपाल की सिफारिशें

[नस्ति संख्या: ई0 एक्स0 एन0-एफ (6) 3/2003]

हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल, हिमाचल प्रदेश साधारण विक्रय कर (द्वितीय संशोधन) विधेयक, 2003 की विषयवस्तु के बारे में सूचित किए जाने के पश्चात्, भारत के संविधान के अनुच्छेद 207 के अधीन, विधेयक को विधान सभा में पुरःस्थापित करने और उस पर विचार करने की सिफारिश करते हैं।

AUTHORITATIVE ENGLISH TEXT

Bill No. 23 of 2003.

THE HIMACHAL PRADESH GENERAL SALES TAX (SECOND AMENDMENT) BILL, 2003

(AS INTRODUCED IN THE LEGISLATIVE ASSEMBLY)

A
BILL*further to amend the Himachal Pradesh General Sales Tax Act, 1968 (Act No. 24 of 1968).*

BE it enacted by the Legislative Assembly of Himachal Pradesh in the Fifty-fourth Year of the Republic of India, as follows:—

Short title
and com-
mencement.

1. (1) This Act may be called the Himachal Pradesh General Sales Tax (Second Amendment) Act, 2003.

(2) It shall be deemed to have come into force on the 23rd day of August, 2003.

Amendment
of section-6.

2. In section 6 of the Himachal Pradesh General Sales Tax Act, 1968 (hereinafter referred to as the principal Act), in sub-section (1), in part (b) of the first proviso, after the words "Polythene bags", but before the words "and Timber", the sign and words "Motor spirit including aviation turbine fuel" shall be inserted.

Amendment
of section
42-B.

3. The existing section 42-B of the principal Act shall be re-numbered as sub-section (1), and after sub-section (1) as so re-numbered, the following new sub-section (2) shall be added, namely:—

“(2) Subject to the conditions specified in sub-section (1), the State Government may, by notification, fix a concessional rate of tax on the sale, to an entrepreneur, of petrol, diesel including light diesel oil and furnace oil for consumption by him in the manufacture, in Himachal Pradesh, of any goods for sale therein or in the course of inter-State trade or commerce.”.

Amendment
of Schedule
'A'.

4. In the Schedule 'A' appended to the principal Act, after item No. 71, the following new item 72 shall be added, namely:—

“72 Lubricants.”.

Repeal of
Ordinance
No. 8 of
2003 and
savings.

5. (1) The Himachal Pradesh General Sales Tax (Second Amendment) Ordinance, 2003, is hereby repealed.

(2) Notwithstanding such repeal, anything done or any action taken under the Ordinance so repealed, shall be deemed to have been done or taken under the corresponding provisions of this Act.

STATEMENT OF OBJECTS AND REASONS

It has been decided to enhance the rate of sales tax on motor spirit, including aviation turbine fuel from 20% to 25% and to suitably increase the existing rate of tax on lubricants. It has also been decided to provide for a suitable concessional rate of tax on petrol, diesel including light diesel oil and furnace oil used as consumables by industry in the manufacture of goods for sale to encourage the entrepreneurs to purchase these goods within the State and pay sales tax to this State instead of making such purchases from other States. However, under the existing provisions of section 6 of the Himachal Pradesh General Sales Tax Act, 1968, the Government is competent to notify sales tax on motor spirit including aviation turbine fuel only upto 20%, while in the case of lubricants, the Government is empowered to notify tax rate only upto 10%. There is no provision in the Act to enable the Government to notify concessional rates on the aforesaid consumables. Therefore, it has been decided to suitably amend the provisions of sections 6, 42-B and the Schedule 'A' appended to the Act *ibid* immediately.

2. Since the Legislative Assembly was not in session and amendment of the Himachal Pradesh General Sales Tax Act, 1968 had to be made urgently, the Himachal Pradesh General Sales Tax (Second Amendment) Ordinance, 2003 (H.P. Ordinance No. 8 of 2003) was promulgated under clause (1) of article 213 of the Constitution of India by the Governor of Himachal Pradesh on 20th August, 2003, which was published in the Rajpatra, Himachal Pradesh (Extra-ordinary) dated 23rd August, 2003. Now, the said Ordinance is required to be replaced by a regular enactment.

3. This Bill seeks to replace the said Ordinance without modification.

RANGILA RAM RAO,
Minister-in-Charge.

SHIMLA :

The.....December, 2003.

FINANCIAL MEMORANDUM

The provisions of the Bill when enacted will result in an additional annual income of Rs. 9 crores approximately to the State exchequer. As the provisions of this Bill, after being enacted, are to be enforced through the existing Government machinery, no additional expenditure will be involved.

MEMORANDUM REGARDING DELEGATED LEGISLATION

Clause 2 of the Bill enables the Government to notify rate of tax on motor spirit including aviation turbine fuel upto 30%. Clause 3 empowers the Government to notify a concessional rate of tax on the sale to an entrepreneur of petrol, diesel including light diesel oil and furnace oil. Clause 4 enables the Government to notify the rate of tax on lubricants upto 20%. These delegation of powers is essential and normal in character.

**RECOMMENDATIONS OF THE GOVERNOR UNDER ARTICLE 207
OF THE CONSTITUTION**

[File No. EXN-F (6) 3/2003]

The Governor of Himachal Pradesh after having been informed of the subject matter of the Himachal Pradesh General Sales Tax (Second Amendment) Bill, 2003, recommends, under article 207 of the Constitution of India, the introduction and consideration of the Bill by the Legislative Assembly.